**माध्यस्थम अधिनियम, १९४० की धारा २१ के अधीन निर्देश के एक आदेश के निये एक आवेदनपत्र**

वाद सं. ............................... सन् ...................................

माध्यस्थम अधिनियम, 1940 के मामले में

तथा

माध्यस्थम करार, दिनांकित ..........................................

के बीच

**अबक**  ........ वादी

(नाम, वर्णन, तथा निवास स्थान)

बनाम

**कखग**  ......... प्रतिवादी

(नाम, वर्णन, तथा निवास स्थान)

**ऊपर नामित किया गया याची वादी प्रदर्शित करता है –**

1. यह वाद (दावे की प्रकृति का वर्णन करें) के लिए संस्थित किया जाता है
2. पक्षकारो के बीच अन्तर के मुद्दे (अंतर में मुद्दों का कथन करे)
3. सभी पक्षकार हितबद्ध होने वाले याचिकों ने उपयुक्त अधिकारिता के अंदर तारीख .................को यह करार (करार की प्रकृति का वर्णन करें) किया है की उनके बीच यथा मतभेद में मुद्दा माध्यस्थम को निर्दिष्ट कर दिया जायेगा (माध्यस्थ का नाम, वर्णन एवं निवास स्थान या पक्ष्करों के बीच करार पायी गयी मध्यस्थ की नियुक्ति की रीती के बारे में)
4. अतएव, याचीगन प्रार्थना करते है –
5. यह की मदभेद में उपयुक्त मुद्दों ऊपर नामित किये गए मध्यस्थ को अवधारण के लिए निर्देशित किया जाय
6. यह की उस तारीख को नियत किया जाय जिसके अन्दर पंचाट किया जाना हो

वादी

**सत्यापन**

मैं.................................................. ऊपर नामित वादी, एतद् द्वारा सत्यापित करता हूँ, कि वादपत्र के पैरा ............. ...... ...... ........... .... .. लगायत .................................. की अन्तर्वस्तु मेरी व्यक्तिगत जानकारी में सत्य है और ................................... पैरा के वे सभी तथा उसका.......... उस विधिक सलाह पर आधारित है। जिसे मैं सत्य होने का विश्वास करता हूँ।

.....................................मैं इस दिनांक ....... को सत्यापित किया गया।

वादी